राजस्थान में कार्य कर रहे नवोदय विद्यालयों की सूची

1. कुच्चामन सिटी, जिला नागौर
2. सरदार-शहर, जिला चुरु
3. गांव बुडवा, जिला बंसवारा
4. राजसमंद, जिला उदयपुर
5. गांव पओटा, जिला जयपुर
6. गांव हुर्डा गुलाबपुरा, जिला भीलवाड़ा
7. गांव मंदफिया, जिला चितौड़गढ़
8. जसवंतपुरा, जिला जालौर
9. पटन (नीम-का-थाना), जिला सीकर
10. गांव अतरु, जिला कोटा
11. पचपादरा नगर, जिला बारमेर
12. गांव थर्कडा, जिला दुगंरपुर
13. गांव नंदला (नसीराबाद), जिला अजमेर
14. मोहनगढ़, जिला जैसलमेर
15. गांव मैवाली, जिला गंगानगर
16. गांव तिलवासनी, जिला जोधपुर
17. गांव चन, जिला टौंक
18. गांव पचपाहर, जिला झतलावाड़
19. गाव खेरथल, जिला अलवर
20. गाव जोंजावर, जिला पाली

राजस्थान में युवा होस्टल

24. **श्री संतोष बागड़ोदिया:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में कुल कितने युवा होस्टल हैं और ये होस्टल किन-किन जिलों में, किन-किन स्थानों पर स्थित हैं; और

(ख) क्या निकट भविष्य में इस राज्य में इस प्रकार के कुछ होस्टलों के खोले जाने का विचार है; यदि हां, तो उनके किन-किन जिलों में, किन-किन स्थानों पर और कब तक खोले जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्य और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) इस समय जयपुर में एक युवा छात्रवास चल रहा है।

(ख) राजस्थान में चार और युवा छात्रवास जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अजमेर में सिद्धांत रूप में मंजूर किए गए हैं। जोधपुर में छात्रवास हेतु अनुदान की प्रथम किश्त दी गई है।

अमरीका के नए प्रशासन के साथ संबंधों में सुधार किया जाना

25. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या श्री बुश द्वारा अमरीका के नए राष्ट्रपति के रूप में प्रशासन संभालने के बाद सरकार ने भारत-अमरीका संबंधों को राजनीतिक तथा कूटनीतिक, दोनों स्तरों पर सुधारे जाने के लिए कोई प्रयास किए हैं; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ख) इसके प्रति अमरीकी प्रशासन की क्या प्रतिक्रिया रही है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० के० के० तिवारी) : (क) 20 जनवरी, 1989 को राष्ट्रपति बुश द्वारा अपने पद का कार्यभार संभालने के बाद थोड़ी ही अवधि में कई द्विपक्षीय आदान-प्रदान हुए: राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति बुश के बीच और विदेश मत्री और अमरीका के विदेश मंत्री के बीच संदेशों और पत्रों का आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी अन्तरण के बारे में द्विपक्षीय बातचीत, और इस समय अमरीका, नई दिल्ली मे आठवें भारतीय इंजीनियरी व्यापारी मेले में भागीदार देश के रूप में भाग ले रहा है। इन घटनाओं से दोनों देशों के इस दृढ़-निश्चय की पुष्टि होती है कि वे द्विपक्षीय संबंधों को संवर्धित करते रहेंगे और एक-दूसरे के दृष्टिकोण को और अच्छी तरह समझेंगे।

(ख) राष्ट्रपति के नाम अपने गणतंत्र दिवस संदेश में राष्ट्रपति बुश ने नीचे लिखे अनुसार कहा है:

"राष्ट्रपति के नाते मैं चाहता हूं कि दोनों देशों के बीच संबंध और भी सुदृढ़ हों। भारत और अमरीका का स्वतंत्रता और लोकतंत्र के आदर्शों में एक-समान विश्वास है। आज हमारे दोनों महान लोकतांत्रिक देश परस्पर लाभ और समूची मानवता के लाभ के लिए मिलकर कार्य

करते हुए हजार क्षेत्रों में एक दूसरे के साथ सहयोग कर रहे हैं। राष्ट्रपति होने के नाते मैं वचन लेता हूं कि मैं अपने प्रशासन काल के दौरान इस दिशा में प्रयास जारी रखूंगा।"

फलाइंग क्लबों का पुनर्जीवित किया जाना

26. **श्री ईश दत्त यादव**: क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश के सभी फ्लाइंग क्लबों को पुनर्जीवित करने और उनकी उड़ान के घंटों में वृद्धि करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इन क्लबों को पुनर्जीवित किये जाने संबंधी प्रस्तावित योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) कब तक सभी फ्लाइंग क्लबों की अड़चनें दूर कर दी जाएंगी; और,

(घ) क्या सरकार कुछ फ्लाइंग क्लबों को बंद करने पर भी विचार कर रही है; और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) से (ग) देश के अधिकतर फ्लाइंग क्लब संतोषजनक ढंग से कार्य कर रहे हैं। इन क्लबों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सुदृढ़ करने के लिए भारतीय ऐरो क्लब ने 25 माइक्रोलाइट विमान प्राप्त कर लिये हैं। उड़ान घंटों में आर्थिक सहायता की वृद्धि करने का भी प्रस्ताव है।

(घ) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

रेल दुर्घटनाएं

27. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1 जनवरी, 1989 से अब तक अनेक रेल दुर्घटनाएं हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो इन दुर्घटनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) इन दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप कितने व्यक्ति मारे गये तथा कितने जख्मी हुये;

(घ) मारे गये या जख्मी हुए व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों तथा उनके आश्रितों को दिये गये मुआवजे का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिये किये गये सुरक्षात्मक उपायों का तथा इस संबंध में यदि कोई न्यायिक जांच हुई है, तो उसका ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) और (ख) भारतीय रेलों पर 1.1.1989 से 15.2.89 की अवधि के दौरान 77 परिणामी गाड़ी दुर्घटनाएं हुई। इन दुर्घटनाओं का कोटिवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

टक्कर	6
पटरी से उतरना	63
समपारों पर दुर्घटनाएं	7
गाड़ियों में आग लगना	1

(ग) इन दुर्घटनाओं में, 10 व्यक्तियों की जानें गयीं और 77 व्यक्तियों को चोटें आयीं।

(घ) कुछ नहीं। दावेदारों को, न्यायालय के निर्णय के अनुसार क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जायेगा।

(ङ) दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किये गये कुछ उपाय इस प्रकार हैं:—

(i) यात्री डिब्बों सहित चल स्टाक के पुर्नस्थापन पर अधिक जोर देना।

(ii) रेल पथ नवीकरण की गति बढ़ाना।

(iii) सहायक चेतावनी प्रणाली, धुरा काउंटरों आदि, जैसी मानवीय सतर्कता बढ़ाने के लिये परिष्कृत प्रौद्योगिकी अपनाना ।

(iv) धुरों और पटरियों की पराश्रव्य जांच।

(v) मरम्मत और अनुरक्षण की गुणवत्ता सुधारने के लिए कारखानों का आधुनिकीकरण । इन दुर्घटनाओं में से किसी की भी न्यायिक जांच नहीं हुई है।